गौतम बुद्ध नगर में 11 किमी लंबे डीएफसी के एलिवेटेड ट्रैक के लिए बनेंगे 24 पुल

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 13 जून।

बोड़ाकी से रेवाड़ी तक बनाए जा रहे डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) का 11 किलोमीटर लंबा हिस्सा गौतम बुद्ध नगर में है। कुल 128 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के इस हिस्से में यमुना से लेकर बोड़ाकी की 130 मीटर चौड़ी सड़क पर 24 पुल बनाए जाएंगे। पूरी तरह से ऊपरगामी (एलिवेटेड) ट्रैक पर करीब डेढ़ किलोमीटर तक लंबी मालगाड़ी दौड़ेगी। जिसका वजन करीब 13.5 हजार टन होगा। ट्रेन की लंबाई और वजन के आधार पर इस कॉरिडोर को नोएडा से ग्रेटर नोएडा जाने वाली एक्वा लाइन के ऊपर से निकाला जाएगा।

एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ 45 मीटर चौड़ी सड़क और एक्वा लाइन के ऊपर से निकलने वाले पुल झट्टा गांव से उठेगा। पुल के खंभों की मजबूती के लिए तीन फाउंडेशन

फाइल फोटो

(आधार) बनाए जाने हैं। पहला 45 मीटर सड़क के किनारे, दूसरा एक्सप्रेस-वे पथ विभाजक (सेंट्रल वर्ज) और तीसरा सर्विस लेन के पास बनाया जाएगा। आगामी चार पांच दिन में यह काम शुरू होगा। एक्वा लाइन के दोनों तरफ भी खंभे बनाए जाएंगे। जिस पर गार्डर डाला जाएगा।

बोड़ाकी से रेवाड़ी तक बनाए जा रहे कॉरिडोर के प्रत्येक 40 40 किलोमीटर पर

बोड़ाकी में दिल्ली-हावड़ा लाइन के पास बनेगा नया दादरी स्टेशन

एक्वा लाइन के ऊपर से गुजरने वाले डीएफसी के पुल बनाने का काम अगले सप्ताह से होगा शुरू

स्टेशन बनाए जाएंगे। बोड़ाकी में दिल्ली हावड़ा लाइन के पास इसका नया स्टेशन दादरी नाम से होगा। स्टेशन में यार्ड भी बनाया जाएगा। परियोजना अधिकारियों के अनुसार यहां आने वाले सामान को ट्रक से उतार कर नहीं लादा जाएगा बल्कि पूरे ट्रक लोड (माल) की बुकिंग होगी। बुकिंग स्टेशन पर होगी। जिसके बाद पूरे ट्रक को ही मालगाड़ी में लाद दिया जाएगा। जिस वजह से पहले जो ट्रक कोलकाता से मुंबई के बीच एक्सप्रेस-वे या एनसीआर के हाईवे का इस्तेमाल करते हैं, वे इस मालगाडी का इस्तेमाल कर सीधे जा सकेंगे। माना जा रहा है कि इस व्यवस्था से हाईवे और एक्सप्रेस वे पर ट्रकों की संख्या काफी कम हो जाएगी।

सेक्टर 146 में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कारपोरेशन ऑफ इंडिया का नियंत्रण कक्ष (कमांड कंट्रोल रूम) बनाया जा रहा है। इसी के साथ हैवी हॉल रिसर्च इंस्टिट्यूट (एचएचआरआइ) भी बनाया जा रहा है। इस संस्थान में हैवी हॉल यानी भारी भरकम मालगाड़ी और ट्रैक को अत्याधुनिक बनाने पर शोध किया जाएगा। काम करने वालों के लिए आवास समेत पूरे परिसर को 22.5 हेक्टेयर जमीन पर बनाया जा रहा है। खास बात यह है कि प्राधिकरण इस जमीन को लीज होल्ड के बजाए फ्री होल्ड दे रहा है। जमीन का भुगतान प्राधिकरण को कर दिया गया है। 2021 तक एचएचआरआइ और नियंत्रण कक्ष शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। डीएफसी के इस हिस्से की एक्वा लाइन से करीब 5.4 मीटर और एक्सप्रेस-वे से तकरीबन 6.58 मीटर ऊंची होगी।

डीएफसी के लिए बनाया जा रहा नया दादरी स्टेशन को दादरी डिपो से सीधा जोड़ा जाएगा। इस स्टेशन से नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद से भी सीधा संपर्क होगा। जहां से औद्योगिक इकाइयों का माल लेकर ट्रक सीधे नया दादरी स्टेशन जा सकेंगे। गौतम बुद्ध नगर के अलावा रेवाड़ी, अलवर, मेवात, पलवल और फरीदाबाद आदि भी कॉरिडोर के इस हिस्से से जुड़ जाएंगे। डीएफसी की नोएडा इकाई के उप मुख्य परियोजना प्रबंधक के मुताबिक खंभों का आधार बनाने के लिए प्राधिकरण के अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए डिजाइन जमा कर दी गई है। निर्माण के दौरान यातायात को डायवर्ट (वैकल्पिक रास्ता) करना होगा। 2021 तक बोड़ाकी से रेवाड़ी तक के एलाइनमेंट पर संचालन शुरू करने का लक्ष्य तय किया गया है।